ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

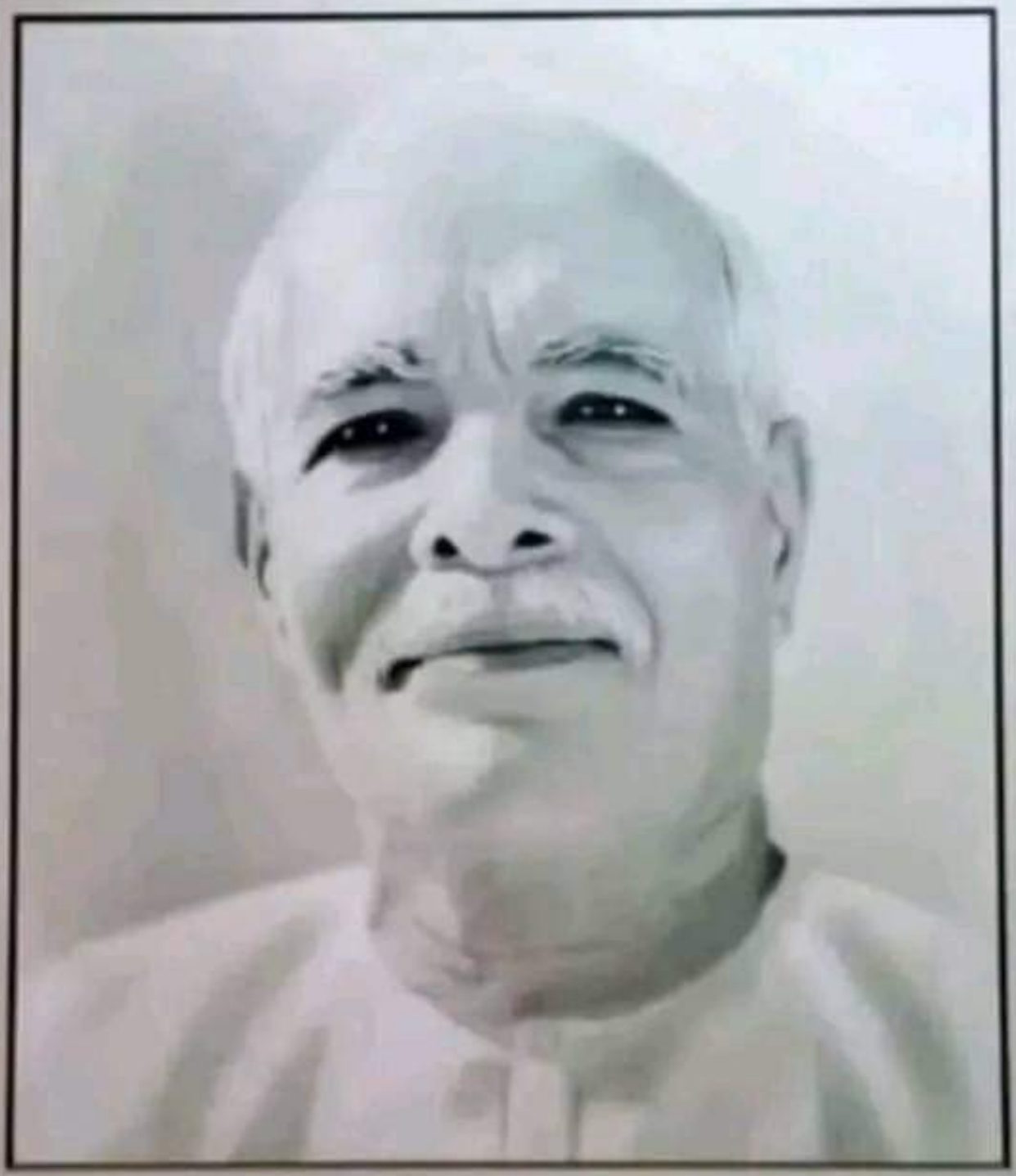

अपना लक्ष्य सदैव याद रखो
निराकारी, निर्विकारी एवम् निरहंकारी।

माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

अगर मैं खुशी वाले संकल्प करती हूँ,
तो खुशी बढ़ती है ...
और अगर मैं दुःख वाले संकल्प करती हूँ,
तो दुःख बढ़ते हैं।

Peace of Mind

पहली बार आने वालों से- बापदादा की, ड्रामा की मदद मिलेगी

बापदादा- 02-02-2012

पहले बारी आये हो तो कमाल करो। क्या कमाल करो? पहले नम्बर का पुरुषार्थ करो। लास्ट से फास्ट और फर्स्ट होके दिखाओ। हो सकता है, कोई रत्न ऐसे भी निकलने हैं तो आप ही दिखाओ। बापदादा की मदद सभी को है। तीव्र पुरुषार्थ, आने से ही साधारण पुरुषार्थ नहीं, तीव्र पुरुषार्थ करो। करना ही है, बनना ही है। आगे जाना ही है। यह दृढ़ संकल्प रखो और ऐसे कोई एक्जैम्पुल निकलने भी हैं। बापदादा को खुशी है कि समय से पहले तो आ गये। वर्से के अधिकारी तो बन गये। अच्छा। बापदादा खुश है, आये, भले आये, आपका सीज़न था लेकिन अभी आगे से आगे जाके दिखाओ। हम पीछे आये हैं यह नहीं सोचो, आगे जा सकते हो। बापदादा की, ड्रामा की मदद मिलेगी। अच्छा है।

ओम् शान्ति

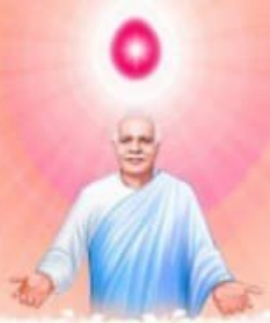

अव्यक्त शिक्षाएँ

पवित्रता संगमयुगी ब्राह्मणों के महान जीवन की महानता है। 'पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ श्रंगार है।' जैसे स्थूल शरीर में विशेष श्वास चलना आवश्यक है। श्वास नहीं तो जीवन नहीं। ऐसे ब्राह्मण जीवन का श्वास है- 'पवित्रता'। 21 जन्मों की प्रालब्ध का आधार अर्थात् फाउण्डेशन पवित्रता है। आत्मा अर्थात् बच्चे और बाप से मिलन का आधार 'पवित्र बुद्धि' है। सर्व संगमयुगी प्राप्तियों का आधार 'पवित्रता' है। पवित्रता, पूज्य-पद पाने का आधार है। ऐसे महान वरदान को सहज प्राप्त कर लिया है? वरदान के रूप में अनुभव करते हो वा मेहनत से प्राप्त करते हो? वरदान में मेहनत नहीं होती। लेकिन वरदान को सदा जीवन में प्राप्त करने के लिए सिर्फ एक बात का अटेन्शन चाहिए कि 'वरदाता और वरदानी' दोनों का सम्बन्ध समीप और स्नेह के आधार से निरन्तर चाहिए। वरदाता और वरदानी आत्मायें दोनों सदा कम्बाइन्ड रूप में रहें तो पवित्रता की छत्रछाया स्वतः रहेगी। जहाँ सर्वशक्तिवान बाप है वहाँ अपवित्रता स्वप्न में भी नहीं आ सकती है। सदा बाप और आप युगल रूप में रहो। सिंगल नहीं, युगल। सिंगल हो जाते हो तो पवित्रता का सुहाग चला जाता है। नहीं तो पवित्रता का सुहाग और श्रेष्ठ भाग्य सदा आपके साथ है। तो बाप को साथ रखना अर्थात् अपना सुहाग, भाग्य साथ रखना।

अ.बापदादा-06.01.82

भगवान की महिमा तो आत्मायें गाती हैं लेकिन आप बच्चों की महिमा स्वयं भगवान बाप करते हैं।

Avyakt Murli - 30-3-1998

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

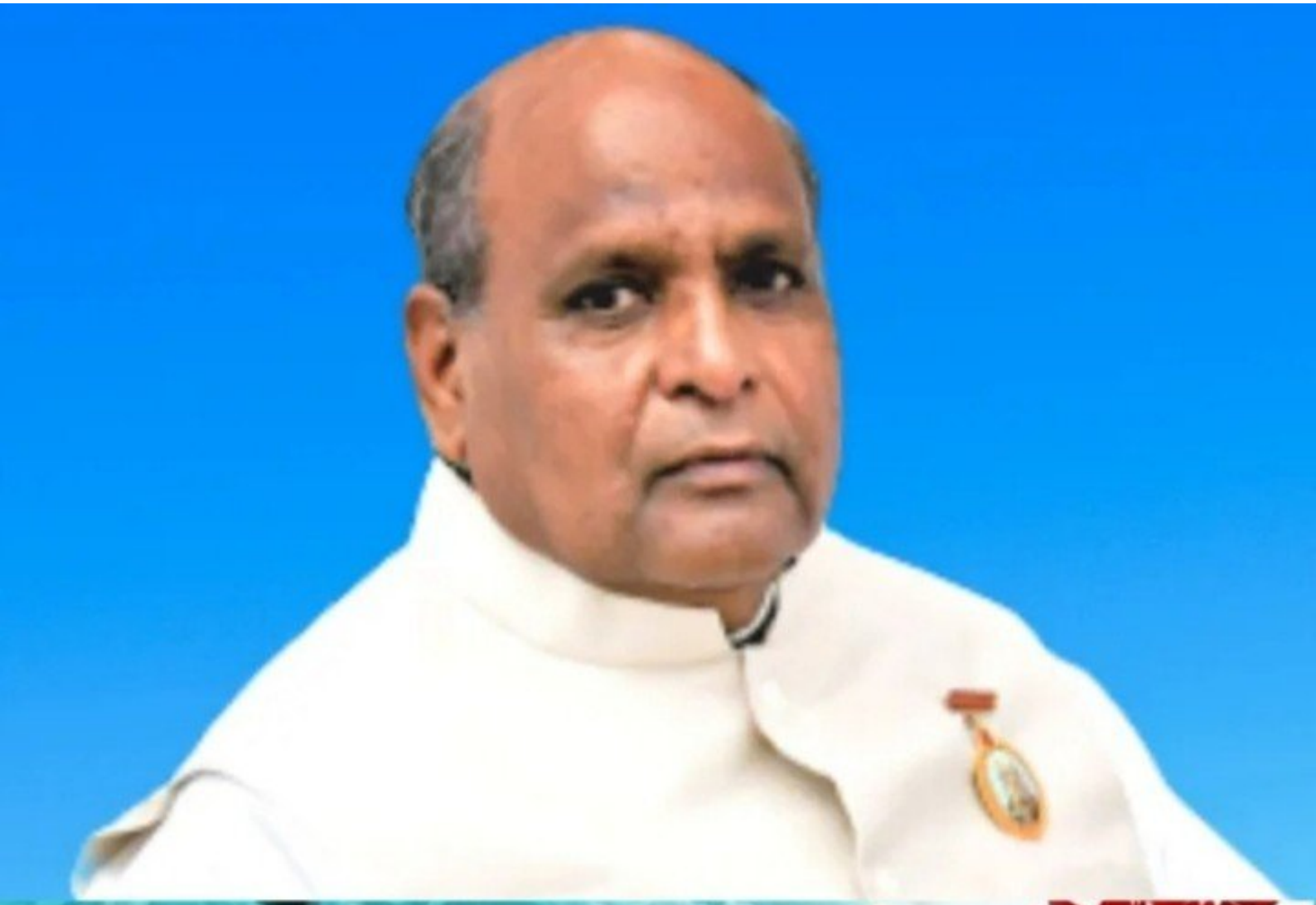

जिस प्रकार न करने योग्य
कार्यों से बचते हैं
उसी प्रकार हमें बुरे विचारों
से भी बचना चाहिये।

"If you have doubts in advance, how can you expect good results? "

- Dadi Janki -

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org